Literacy for a Billion

Movie: Barsaat Ki Ek Raat (1960)
Year: 1960

Song: Zindagi Bhar Nahi Bhulegi 2
Lyricist: Sudhir Ludhianvi

हूँ...
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
एक अनजान हसीना से
मुलाक़ात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

हाय वो रेशमी ज़ुल्फ़ों से
बरसता पानी
हाय वो रेशमी ज़ुल्फ़ों से
बरसता पानी
फूल से गालों पे रुकने को
तरसता पानी
दिल में तूफ़ान उठाते हुए
दिल में तूफ़ान उठाते हुए
जज़्बात की रात

ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

डर के बिजली से अचानक
वो लिपटना उसका
और फिर शर्म से बलखाके
सिमटना उसका
कभी देखी ना सुनी ऐसी हो
कभी देखी ना सुनी ऐसी

तिलिसमात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

सुर्ख़ आँचल को दबाकर
जो निचोड़ा उसने
सुर्ख़ आँचल को दबाकर
जो निचोड़ा उसने
दिल पे जलता हुआ
इक तीर सा छोड़ा उसने
आग पानी में लगाते हुए
आग पानी में लगाते हुए
हालात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

मेरे नग़मों में जो बसती है
वो तस्वीर थी वो
नौजवानी के हसीं ख़्वाब की
तावीर थी वो
आसमानों से उतर आई हो
आसमानों से उतर आई थी
जो रात की रात

ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी
वो बरसात की रात
एक अनजान हसीना से
मुलाक़ात की रात
ज़िन्दगी भर नहीं भूलेगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.